ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023

सन्दर्भ: ग्लोबल हंगर इंडेक्स, 2023 में भारत 125 देशों में से 111वें स्थान पर है। इस इंडेक्स के अनुसार 28.7 अंक के साथ भारत में भूख का स्तर गंभीर श्रेणी का है।

मुख्य निष्कर्ष

- ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2023 में भारत 125 देशों में से 111वें स्थान पर है।
- भारत का जीएचआई स्कोर 100-पॉइंट स्केल पर 28.7 है, जो भूख की गंभीरता को "गंभीर" के रूप में वर्गीकृत करता है।
- जीएचआई स्कोर अल्पपोषण (Undernourishment), बाल विकास में कमी – बौनापन (child stunting), बाल विकास में कमी – अल्पभार (child wasting) और बाल मृत्यु दर (child mortality) जैसे संकेतकों पर आधारित है।
- भुखमरी के खिलाफ भारत की प्रगति 2015 से लगभग रुक गई है, पिछले आठ वर्षों में केवल 0.5 अंक का सुधार हुआ है।
- वैश्विक स्तर पर, 2023 जीएचआई स्कोर 18.3 है, जिसे मध्यम श्रेणी का माना जाता है, लेकिन अल्पपोषित लोगों की हिस्सेदारी 2017 में 7.5% से बढ़कर 2022 में 9.2% हो गई है।
- दक्षिण एशिया और सहारा के दक्षिण अफ्रीका में भूख का स्तर सबसे अधिक है, दोनों का जीएचआई स्कोर 27.0 (गंभीर) है।
- लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई एकमात्र ऐसे क्षेत्र है जहां 2015 और 2023 के बीच जीएचआई स्कोर गिर गया है।
- वैश्विक भूख के खिलाफ लड़ाई में ठहराव का कारण संकटों की निरंतरता को माना जाता है, जिनमें COVID-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, आर्थिक स्थिरता, जलवायु परिवर्तन प्रभाव और संघर्ष शामिल हैं।
- यूरोप और मध्य एशिया में सबसे कम 2023 GHI स्कोर (6.0) है, जिसे "निम्न" श्रेणी का माना जाता है।
- चीन 5 से कम जीएचआई स्कोर वाले शीर्ष 20 देशों में से एक है।

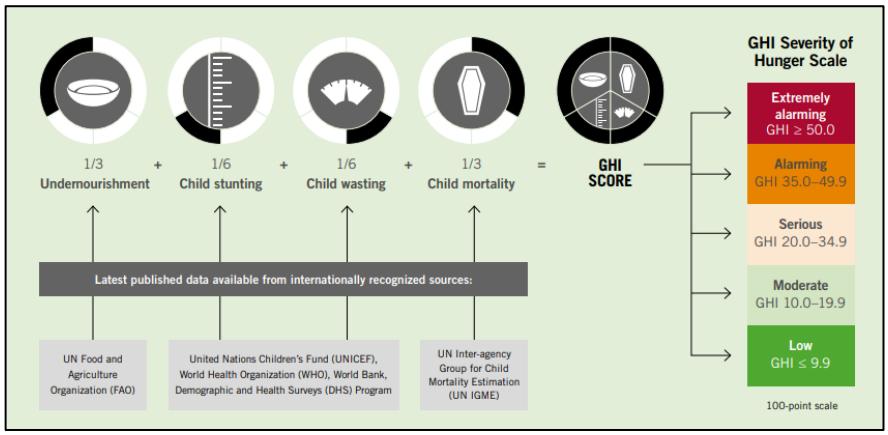

भारत में भुखमरी के कारण

- **गरीबी**: विशेष रूप से ग्रामीण भारत में बच्चों के लिए भोजन की उपलब्धता को सीमित करके भूख को बढ़ावा देती है।
- **दोषपूर्ण सार्वजनिक वितरण प्रणाली:** इसके कारण अनाज को लाभ-संचालित खुले बाजारों में भेज दिया जाता है और राशन की दुकानों में खराब गुणवत्ता वाले अनाज की बिक्री होती है।
- राशन की दुकानों के अनियमितता और घरेलू गरीबी की स्थिति के वर्गीकरण के अस्पष्ट मानदंडों से खाद्य उपभोग के मुद्दे चिंतनीय हो गए हैं।
- खराब गुणवत्ता वाला अनाज भूख की समस्या को बढ़ावा देता है।
- गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान अपर्याप्त आहार, बीमारी और पोषण संबंधी आवश्यकताओं की उपेक्षा जैसे कारकों के कारण सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के कारण छिपी हुई भूख भारत में प्रचलित है।
- पोषण, स्तनपान और लालन-पालन पर मातृ ज्ञान की कमी एक चिंता का विषय है।
- लैंगिक असमानता भोजन तक पहुंच के सन्दर्भ में लड़कियों को अधिक प्रभावित करता है।
- शिक्षा तक सीमित पहुँच के कारण लड़कियाँ बुनियादी शिक्षा सहित मध्याह्न भोजन से वंचित हो सकती हैं।
- जागरूकता की कमी और अक्षम सामर्थ्य के के कारण बच्चों में निवारक देखभाल और टीकाकरण की कमी है।
- देश में पोषण कार्यक्रमों में स्थानीय एवं शासन-स्तरीय ऑडिट तंत्र का अभाव है।

सघन मिशन इंद्रधनुष (Intensified Mission Indradhanush 5.0) 5.0

सन्दर्भ: खसरा और रूबेला टीकाकरण कवरेज में सुधार पर केंद्रित सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 (आईएमआई 5.0) अभियान 14 अक्टूबर, 2023 को समाप्त होगा।

- आईएमआई 5.0 देश के सभी जिलों में कार्यरत है और इसमें 5 वर्ष तक के बच्चों को शामिल किया गया है।
- आईएमआई 5.0 के पहले दो चरण में देश भर में 34 लाख से अधिक बच्चों और लगभग 6 लाख गर्भवती महिलाओं तक टीके की सुरक्षित खुराक पहुंच चुकी है।
- 2014 के बाद से, मिशन इंद्रधनुष ने कुल मिलाकर 5.06 करोड़ बच्चों और 1.25 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया है।

आईएमआई 5.0

- इसका उद्देश्य भारत के सभी जिलों में छूटे हुए बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक नियमित टीकाकरण सेवाएं पहुंचाना सुनिश्चित करना है।
- पहली बार, इस अभियान में **5 वर्ष तक के बच्चे**, शामिल हैं क्योंकि पिछले अभियानों में 2 वर्ष तक के बच्चों को शामिल किया गया था।
- **लक्ष्य:** 2023 तक **खसरा और रूबेला उन्मूलन** प्राप्त करने के लिए खसरा और रूबेला टीकाकरण कवरेज में सुधार करना है।।
- IMI 5.0 देश के सभी जिलों में पायलट मोड में नियमित टीकाकरण के लिए **यू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म** का उपयोग करता है ।
- यह अभियान मुख्यतः तीन चरणों में चलाया जाता है, जो प्रत्येक महीने छह दिनों तक चलता है, जिसमें एक नियमित टीकाकरण दिवस भी शामिल होता है।
- सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश (**बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पंजाब को छोड़कर**) में 14 अक्टूबर, 2023 तक सभी तीन राउंड समाप्त करने का लक्ष्य है।
- 30 सितंबर, 2023 तक, 34.6 लाख से अधिक बच्चों और 6.55 लाख गर्भवती महिलाओं को आईएमआई 5.0 के पहले दो दौर के दौरान टीके की खुराक मिल चुकी है।
- इस अभियान में विभिन्न जिलों और राज्यों में पर्यवेक्षण, निगरानी और मूल्यांकन भी शामिल है।
- 27 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में सम्बंधित तैयारियों का आकलन किया गया है।
- इस अभियान के बारे में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को उन्मुख करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई है।
- अन्य के अलावा 360-डिग्री संचार दृष्टिकोण और आईईसी सामग्री सहित परिचालन दिशानिर्देश और संचार रणनीतियाँ भी साझा की गई है।
- जन प्रतिनिधियों और सोशल मीडिया प्रभावितों ने टीकाकरण को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है।
- 2014 से अब तक मिशन इंद्रधनुष के 11 चरण पूरे हो चुके हैं और 12 वां चरण जारी है, अब तक कुल मिलाकर 5.06 करोड़ बच्चों और 1.25 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

भारत का टीकाकरण कार्यक्रम

- भारत में टीकाकरण कार्यक्रम, 1978 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 'विस्तारित टीकाकरण कार्यक्रम (ईपीआई)' के रूप में शुरू किया गया था, जो 1985 में 'सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी)' में विकसित हुआ।
- यूआईपी का लक्ष्य 12 वैक्सीन-रोकथाम योग्य बीमारियों का समाधान करके बच्चों और गर्भवती महिलाओं में मृत्यु दर और रुग्णता को रोकना है।
- हालाँकि, वर्तमान टीकाकरण कवरेज धीमी हो गई है और 2009 और 2013 के बीच केवल 1% वार्षिक वृद्धि दर रही।
- कवरेज में तेजी लाने के लिए, मिशन इंद्रधनुष (एमआई) 2015 में लॉन्च किया गया था, जिसका लक्ष्य पूर्ण टीकाकरण को तेजी से बढ़ाकर 90% तक पहुंचाना था।
- एमआई का उद्देश्य 89 लाख से अधिक बच्चों का पूर्ण टीकाकरण करना है, जिनमें वे बच्चे भी शामिल हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है या जिन्हें यूआईपी के तहत आंशिक रूप से टीका लगाया गया है।
- यह **12 वैक्सीन-निवारक रोग (वीपीडी),** के खिलाफ टीकाकरण सुरक्षा प्रदान करता है। इस 12 वैक्सीन-निवारक रोग (वीपीडी) में, डिप्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, पोलियो, तपेदिक, हेपेटाइटिस बी, मेनिनजाइटिस, निमोनिया, हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी संक्रमण, जापानी एन्सेफलाइटिस (जेई), रोटावायरस, न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी), और खसरा-रूबेला (एमआर) शामिल हैं।
- चयनित जिलों में जापानी एन्सेफलाइटिस और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी से रक्षा के लिए टीकाकरण की जाती है।
- यह उल्लेखनीय है कि, मिशन इंद्रधनुष को ग्राम स्वराज अभियान और विस्तारित ग्राम स्वराज अभियान के तहत प्रमुख योजनाओं में से एक के रूप में पहचाना गया था।

युद्ध के अपराध (war crimes)

सन्दर्भ:आतंकवादी समूह हमास के सप्ताहांत हमले के बाद से इज़राइल और फ़िलिस्तीनी बलों के बीच के संघर्ष ने दोनों पक्षों की ओर से मृतकों की संख्या में वृद्धि की है।

सशस्त्र संघर्ष के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढांचा

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत सशस्त्र संघर्ष को नियंत्रित करने वाले नियम 1949 के जिनेवा कन्वेंशन में उजागर हुए।
- संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों ने इन सम्मेलनों की पुष्टि की है, और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय युद्ध अपराध न्यायाधिकरणों के फैसलों द्वारा पूरक बनाया गया है।
- संधियों की एक श्रृंखला जिसे सामूहिक रूप से "सशस्त्र संघर्ष का कानून" या "अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून" के रूप में जाना जाता है, नागरिकों, सैनिकों और युद्ध के कैदियों के उपचार को नियंत्रित करती है।
- यह सरकारी बलों और हमास आतंकवादियों सहित संगठित सशस्त्र समूहों पर लागू होता है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की भूमिका

- ICC, जो कि एक स्थायी युद्ध अपराध न्यायाधिकरण है, 2002 में हेग में स्थापित किया गया था।
- इसके 123 सदस्य देशों में या इसके नागरिकों द्वारा किए गए युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों और नरसंहार पर इसका अधिकार क्षेत्र है।
- विशेष रूप से, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, भारत और मिस्र जैसी प्रमुख शक्तियां इसका सदस्य नहीं हैं।
- ICC फ़िलिस्तीन को एक सदस्य राज्य के रूप में मान्यता देता है, जबकि इज़राइल उसके अधिकार क्षेत्र को अस्वीकार करता है।
- आईसीसी दुनिया भर में विभिन्न मामलों की जांच कर रही है और 2021 से कब्जे वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों में कथित युद्ध अपराध क्षेत्रों में इसकी जांच चल रही है ।

वर्तमान संघर्ष में युद्ध अपराध

- आईसीसी के अधिकार क्षेत्र में वर्तमान में चल रहे संघर्ष में किए गए सभी संभावित अपराध शामिल हैं।
- न्यूयॉर्क स्थित ह्यूमन राइट्स वॉच ने संभावित युद्ध अपराधों की पहचान की, जिसमें नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना, अंधाधुंध रॉकेट हमले और फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों द्वारा नागरिकों को बंधक बनाना शामिल है।

- गाजा में इजरायल के जवाबी हमलों में हताहतों की संख्या भी संभावित युद्ध अपराधों की जांच के अधीन है।

जिनेवा कन्वेंशन का अनुप्रयोग

- जिनेवा कन्वेंशन सशस्त्र संघर्ष के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं, और वे इस स्थिति पर लागू भी होते हैं।
- इजराइल के जवाब देने के अधिकार को मान्यता प्राप्त है, लेकिन अगर यह नागरिकों को निशाना बनाती है तो इसे युद्ध अपराध माना जा सकता है।

आनुपातिक प्रतिक्रिया

- अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, सैन्य उद्देश्यों पर हमले आनुपातिक होने चाहिए, जिसका अर्थ है कि प्राप्त सैन्य लाभ की तुलना में अत्यधिक नागरिक हताहत या क्षति नहीं हो।
- इजरायली बलों और फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों दोनों की कार्रवाइयां संभावित युद्ध अपराधों के लिए जांच के अधीन हैं।
- विशिष्ट घटनाएं, जैसे कि हमास के उग्रवादियों द्वारा संदर्भित क्षेत्रों के किबुत्ज़ समुदायों में नागरिकों की हत्याएं, युद्ध अपराध के मामलों के लिए संभावित केंद्र बिंदु मानी जाती हैं।

आईसीजे और आईसीसी के बीच अंतर

मानक	आईसीसी	आईसीजे
न्यायालय की स्थापना वर्ष	2002	1946
अवस्थिति	हेग, नीदरलैंड	हेग, नीदरलैंड
सम्बन्ध	स्वतंत्र- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से केस रेफरल प्राप्त कर सकता है	संयुक्त राष्ट्र का आधिकारिक न्यायालय, जिसे विश्व न्यायालय के नाम से जाना जाता है
केस के प्रकार	व्यक्तियों पर आपराधिक मुकदमा चलाना	पार्टियों के बीच विवाद निपटाना और सलाहकारी राय के रूप में कार्य करना
विषय - वस्तु	नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध, आक्रामकता के अपराध	समुद्री विवाद, संप्रभुता, प्राकृतिक संसाधन, व्यापार, संधि उल्लंघन और संधि व्याख्या, मानवाधिकार, आदि।
अनुदान	रोम संविधि में पार्टियों का योगदान, संयुक्त राष्ट्र, सरकारों, निगमों, संगठनों आदि से स्वैच्छिक योगदान।	संयुक्त राष्ट्र द्वारा

NEWS IN BETWEEN THE LINES

कुटिया कोंध जनजाति

प्रस्तावित बॉक्साइट खनन परियोजना के चलते सिजिमाली की तलहटी में अलीगुना गांव (**Aliguna village**) में रहने वाली कुटिया कोंध जनजाति (Kutia Kondh tribe) को चुनौतियों का सामना करना पड़ा था।

कुटिया कोंध जनजाति के बारे में:

- कुटिया कोंध जनजाति को **ओडिशा के कालाहांडी** जिले में स्थित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाओं में प्रकृति पूजा की एक मजबूत परंपरा है।
- कुटिया कोंध परिवार मुख्य रूप से एकल परिवार होते हैं और पितृसत्तात्मक संरचना का पालन करते हैं।
- कुटिया कोंध समुदायों के लिए भोजन का प्राथमिक स्रोत स्थानांतरित खेती है, जिसे वे **"डोंगर चास" या "पोडु चास"** कहते हैं।
- कुटिया कोंधों में **बलंग यात्रा** नामक एक अनोखा त्योहार होता है, जिसके दौरान वे पूजा करते हैं और बीजों का आदान-प्रदान करते हैं साथ ही अपनी कृषि विरासत और बीजों के महत्व का जश्न मनाते हैं।

सरस्वती सम्मान

हाल ही में, तमिल लेखिका **शिवशंकरी** को उनके संस्मरणों की पुस्तक **'सूर्य वाममम'** के लिए **'सरस्वती सम्मान' 2022** से सम्मानित किया गया।

सरस्वती सम्मान के बारे में:

- सरस्वती सम्मान एक वार्षिक साहित्यिक पुरस्कार है जो **संविधान की अनुसूची VIII** में उल्लिखित **22 भारतीय भाषाओं** में से किसी में उत्कृष्ट साहित्यिक कार्यों के लिए भारतीय नागरिकों को दिया जाता है।
- इसका नाम भारतीय विद्या की देवी, सरस्वती, जो ज्ञान और बुद्धिमत्ता का प्रतीक है, के नाम पर रखा गया है।
- इस पुरस्कार में **15 लाख रुपये** का नकद पुरस्कार, **एक प्रशस्ति पत्र** और **देवी सरस्वती की छवि वाली एक पट्टिका** शामिल है।
- यह पुरस्कार भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मानों में से एक माना जाता है।
- सरस्वती सम्मान की **स्थापना 1991 में के.के. बिड़ला फाउंडेशन** द्वारा की गई थी, जो अन्य साहित्यिक पुरस्कार भी प्रदान करता है।

धिब (Dhib) और निम्र (Nimr)

हाल ही में, इज़राइल-फिलिस्तीन क्षेत्र के नेगेव और जुडियन रेगिस्तान में दुनिया के सबसे छोटे भेड़िये, "धिब"(Dhib) और दुर्लभ (**Elusive**) तेंदुए, "निम्र" (**Nimr**)को पुनर्जीवित करने में रुचि दिखाई गई है।

के बारे में:

प्रजाति के नाम: धिब अरबी भेड़िये को संदर्भित करता है (**Can is lupus arabs**), जबकि निम्र अरबी तेंदुए (**Panthera pardus nimr**) को दर्शाता है।

भौगोलिक सीमा: अरब भेड़िया और अरब तेंदुआ दोनों अरब प्रायद्वीप में पाए जाते हैं।

तेंदुआ विलुप्ति: अरब तेंदुआ अपने प्राकृतिक आवास का 98% तक खो चुका है और सिनाई प्रायद्वीप, नेगेव और जुडियन रेगिस्तान सहित उत्तरी क्षेत्रों में विलुप्त हो गया है।

आबादी: अरब भेड़ियों की आबादी इज़राइल में अरावा घाटी और नेगेव रेगिस्तान में अधिक स्थिर है।

IUCN स्थिति: दोनों गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

13 October, 2023

गोवा काजू

हाल ही में, गोवा काजू (कर्नेल) को इसकी अनूठी विशेषताओं और क्षेत्रीय जुड़ाव को मान्यता देते हुए भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त हुआ।

काजू के बारे में:

- काजू भारत में एक महत्वपूर्ण वृक्षारोपण फसल है, जो कृषि और आर्थिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देती है।
- काजू को 1570 ईसवीं में पुर्तगालियों द्वारा गोवा लाया गया था।
- यह मूल रूप से पूर्वोत्तर ब्राज़ील का वृक्ष है।
- प्रारंभ में, भारत में आगमन पर काजू वृक्ष को वनीकरण और मिट्टी संरक्षण के लिए लगाया गया था।
- काजू का वृक्ष अच्छी जल निकास वाली बलुई दोमट मिट्टी में पनपता है।
- यह भारतीय तट पर गर्म और आर्द्र परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है।
- काजू को 20°C से 38°C के बीच तापमान, 60% से 95% की सापेक्ष आर्द्रता और 2000 से 3500 मिमी की वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।
- काजू की खेती कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर पूर्व पहाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में होती है यद्यपि यह गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में भी फैल रही है।

विशाल ओजोन छिद्र

हाल ही में अंटार्कटिका के ऊपर एक बड़े ओजोन छिद्र का पता चला है।

के बारे में:

- 2023 में अंटार्कटिका के ऊपर खोजा गया ओजोन छिद्र ब्राजील के आकार का लगभग तीन गुना है।
- यह "ओजोन-छिद्र " **26 मिलियन वर्ग किलोमीटर** का है, जिसे सितंबर 2023 में **यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी कॉपरनिकस सेंटिनल-5पी उपग्रह** द्वारा देखा गया था।
- वैज्ञानिकों को संदेह है कि इस वर्ष खोजा गया यह बड़ा ओजोन छिद्र **टोंगा में ज्वालामुखी विस्फोट** से जुड़ा हो सकता है, जिसने जल वाष्प और अन्य तत्वों को समताप मंडल में छोड़ा, जिससे ओजोन परत प्रभावित हुई।
- 1970 के दशक में, मानवीय गतिविधियों, विशेष रूप से क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) के उपयोग को महत्वपूर्ण ओजोन छिद्रों के कारण के रूप में पहचाना गया था।
- **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की स्थापना 1987** में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए की गई थी।

समाचारों में स्थान

हैती

हाल ही में, यूएनएससी ने हैती में बढ़ती गिरोह हिंसा और अस्थिरता से निपटने के लिए केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय मिशन को मंजूरी दी।

राजधानी: पोर्ट-ऑ-प्रिंस

अवस्थिति :

- हैती कैरेबियन क्षेत्र में स्थित है, जो डोमिनिकन गणराज्य के साथ हिसपनिओला द्वीप साझा करता है।
- यह द्वीप के पश्चिमी भाग में स्थित है।
- **राजनीतिक सीमाएँ:** डोमिनिकन गणराज्य हैती के साथ पूर्वी सीमा साझा करता है।

भौगोलिक विशेषताओं:

- **पर्वत श्रृंखलाएँ:** हैती मुख्यतः पहाड़ी क्षेत्र है, जिसमें मैसिफ़ डे ला होटे और मैसिफ़ डे ला सेले सहित उल्लेखनीय पर्वत श्रृंखलाएँ हैं।
- **मैसिफ डे ला सेले** पर देश की सबसे ऊंची चोटी **पिक ला सेले** है।
- **द्वीप समूह:** इले-ए-वाचे, दक्षिणी तट पर स्थित एक छोटा द्वीप, हैती की एक उल्लेखनीय भौगोलिक विशेषता है।
- **नदियाँ:** हैती में कई नदियाँ हैं, जिनमें आर्टिबोनिट नदी सबसे लंबी और जल संसाधनों और कृषि सिंचाई के मामले में सबसे महत्वपूर्ण है।
- **झीलें:** देश में कई छोटी झीलें हैं, जिनमें से प्रमुख झील अज़ुई **(Azuéi)** है, जो डोमिनिकन गणराज्य की सीमा पर स्थित है।

POINTS TO PONDER

- **हाल ही में भारत द्वारा इजराइल में नागरिकों को निकालने के लिए कौन सा अभियान शुरू किया गया है?** - ऑपरेशन अजय
- **किस देश ने 2006 के लेबनान युद्ध में सफेद फास्फोरस का उपयोग करने की बात स्वीकार की?** - इजराइल
- **हाल ही में किस संगठन ने इंस्टाग्राम पर डिसेप्शन आइलैंड (सक्रिय ज्वालामुखी) की एक हवाई छवि साझा की?** - नासा
- **विश्व का अधिकांश रेयर अर्थ उत्पादन (world's rare earth production) किस देश में होता है?** - चीन (90%)
- **लांजीगढ़ एल्यूमिना रिफाइनरी के लिए वेदांता द्वारा सिजिमाली में निकाला जाने वाला मुख्य खनिज कौन सा है?** - बॉक्साइट

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com